>

Title: Need to include Rajasthani language in the Eighth Schedule to the Constitution -laid.

श्री निहाल चन्द चौहान (गंगानगर): सभापति महोदय, राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता प्रदान कर आठवीं अनुसूची में सम्मिलित करने की मांग पूरे राजस्थान में विभिन्न माध्यमों से काफी समय से की जा रही है। ... (व्यवधान) माँ, मातृभूमि और मातृभाषा, तीनों का स्थान अति महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये तीनों हमें आकार, आधार और अस्तित्व प्रदान करती हैं। किसी भी देश या प्रदेश की संस्कृति को सहेजने में वहां की भाषा की अहम भूमिका होती है। बिना मातृभाषा के मौलिक चिंतन संभव नहीं है। ... (व्यवधान) यह चिंताजनक है कि सम्पूर्ण तत्वों और लगभग 10 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली ये प्राचीन राजस्थानी भाषा आज तक बस अपने अस्तित्व की ही तलाश कर रही है। ... (व्यवधान) मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि करोड़ों लोगों की भावना को ध्यान में रखते हुए राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिए जाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का कष्ट करें।